ISSN 0972-7515

परिप्रेक्ष्य

शैक्षिक योजना और
प्रशासन का
सामाजिक-आर्थिक संदर्भ

लेखकों के लिए दिशानिर्देश

परिप्रेक्ष्य में अनुसंधान आलेख/अनुसंधान टिप्पणी/
संवाद/अनुसंधान रिपोर्ट सार/चिंतक और चिंतन/
साक्षात्कार/समीक्षा लेख/पुस्तक समीक्षाएं प्रस्तुत करने हेतु।

राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान
NATIONAL INSTITUTE OF EDUCATIONAL PLANNING AND ADMINISTRATION

परिप्रेक्ष्य

शैक्षिक योजना और प्रशासन का सामाजिक-आर्थिक संदर्भ

यह पत्रिका समाजवैज्ञानिकों और शैक्षिक योजना, प्रशासन और प्रबंध से जुड़े कार्मिकों तथा शोधकर्त्ताओं के शैक्षिक शोध और अनुभवों के वैचारिक व सैधांतिक आदान-प्रदान के लिए एक मंच प्रदान करती है।

परिप्रेक्ष्य राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान (नीपा) की चतुर्मासी हिंदी पत्रिका है। यह वर्ष 1994, अप्रैल से संस्थान (नीपा) द्वारा निरंतर अप्रैल, अगस्त और दिसंबर माह में प्रकाशित की जाती है।

परिप्रेक्ष्य में प्रकाशित लेखों और अन्य सामग्री में व्यक्त विचार लेखकों के निजी विचार हैं। नीपा की नीतियों और विचारों से उनका कोई संबंध नहीं है।

संरक्षक
शशिकला वंजारी
कुलपति, नीपा

अकादमिक संपादक
सुधांशु भूषण

संपादक
मनीषा प्रियम

सह-संपादक
रवि प्रकाश सिंह

संपादकीय सलाहकार मंडल
साधना सक्सेना
श्रुति तांबे
अपूर्वानंद
सतीश देशपांडे

संपादक मंडल
कुमार सुरेश
अमित गौतम
मोना सेदवाल

संपादन सहयोग
मनोज गौड़

उप प्रकाशन अधिकारी
अमित सिंघल

प्रकाशन सहायक
अमित शर्मा

लेखकों के लिए

इस पत्रिका में निम्नांकित स्तंभ हैं : 1. अनुसंधान लेख; 2. शोध सार; 3. पुस्तक समीक्षाएं।

इस पत्रिका के लिए हिंदी/अंग्रेजी में लिखे अप्रकाशित मूल लेख आमंत्रित हैं। मूल हिंदी में लिखे नीतिगत और अनुभवाश्रित लेखों को प्राथमिकता दी जाएगी। लेखकों से अनुरोध है कि लेख की दो टंकित प्रतियां भेजें। पांडुलिपि फुलस्केप पेपर पर डबल स्पेस में एक ओर यूनिकोड आधारित फॉन्ट (12 pt) में टंकित होनी चाहिए।अनुसंधान लेख की शब्द सीमा 6,500 से 7,000, शोध सार 1500 शब्द, पुस्तक समीक्षा शब्द सीमा 1000-1200 तक होनी चाहिए। लेख का सारसंक्षेप 200 शब्दों में अवश्य भेजें। लेख की साफ्ट कापी भी भेज सकते हैं। कृपया अलग पृष्ठ पर अपना संक्षिप्त परिचय (पता, ईमेल, सेवा व संस्थानों से जुडाव का उल्लेख) अवश्य दें।

पांडुलिपि में संदर्भ, टिप्पणी, संदर्भ ग्रंथ आदि का उल्लेख निम्नांकित रूप में दें :

- बिना टिप्पणी के सामान्य संदर्भ छोटे कोष्ठक में दें, जैसे- (नायक, 1972, पृ 23-25)
- नायक, जे.पी. (1972) एजुकेशन कमीशन एण्ड आफ्टर, नई दिल्लीः एलायड
- मजूमदार, तपस (1987) ''द रोल ऑफ फायनेंस कमीशन'' जर्नल आफ एजुकेशनल प्लानिंग एण्ड एडमिनिस्ट्रेशन, 1(2&4), जुलाई-अक्तूबर, पृ. 1-11
- पंचमुखी, पी.आर. (1987) ''एजुकेशनल फायनेंसेज इन द फेडरल फ्रेमवर्क'' शिक्षा के लिए अतिरिक्त संसाधन जुटाने के उद्देश्य से गतिविधियां विषय पर नीपा, नई दिल्ली में आयोजित संगोष्ठी (मिमियोग्राफ)
- रेफ, हंस (1986), ''पर्सपेक्टिव प्लानिंग इन एजुकेशन : एन इंटरनेशनल व्यू'', मुनिस रज़ा (सं.), एजुकेशनल प्लानिंग : ए लांग टर्म पर्सपेक्टिव, नई दिल्ली, कांसेप्ट-नीपा में संकलित, पृ. 65-91
- टिप्पणी और संदर्भ सूची लेख के अंत में संख्याक्रम और हिंदी वर्णमाला क्रम में दें।

संपर्क

ई-मेलः editor.pariprekshyaniepa@gmail.com

संपादकीय पूछताछ और अन्य जानकारी के लिए संपर्क करें :

संपादक परिप्रेक्ष्य

राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान (नीपा)

17-बी, श्री अरविंद मार्ग, नई दिल्ली-110016.

ई-मेलः editor.pariprekshyaniepa@gmail.com

फोन (सीधा): 91-11-26544866

राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान

(मानित विश्वविद्यालय)

17-बी, श्री अरविंद मार्ग, नई दिल्ली-110 016 (भारत)

ई-मेलः niepa@niepa.ac.in

वेबसाईटः www.niepa.ac.in

इपीएबीएक्सः 91-11-26544800, 26565600

फैक्सः 91-11-26853041, 26865180